गरीब व मध्यम वर्गीय परिवारों के पेट पर लात मारने वाला क्रूर कदम है। बदतर कानून-व्यवस्था, महंगाई व बेरोजगारी से त्रस्त जनता का दुख और बढ़ेगा।

भाजपा राज में आम लोगों की मुश्किलें बढ़ी : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा राज में आम नागरिक की परेशानियां बढ़ती ही जा रही हैं। एक ओर बाढ़ का कहर है तो दूसरी ओर मंहगाई की मार पड़ रही है।

सरकार की अदूरदर्शिता और समय से निर्णय न लेने के कारण राज्य में यह संकट की स्थिति है। सरकार सतर्क होती तो इन दिनों हो रही तबाही को शुरूआत में ही रोका जा सकता था। अखिलेश यादव ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि सरकार द्वारा दाम बढ़ाने से पेट्रोल के लिए करीब 2.30 और डीजल के लिए करीब एक रूपये अतिरिक्त देना होगा। इससे अब मंहगाई बढ़ेगी। परिवहन पर खर्च बढ़ेगा।

जांच में अनिवार्य रूप से उपस्थित हों, मेडिकल जांच में अनुपस्थिति की दशा में आपका अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा, जिसका समस्त उत्तरदायित्व स्वयं आपका होगा।

विशिष्ट बी.टी.सी. प्रशिक्षण 2007-2008 (विशेष चयन) एवं 2018 के अंतर्गत दिनांक 14-11-2018 से 29-11-2018 के मध्य हुई मेडिकल बोर्ड की जांच में अनुपस्थित दिव्यांग अभ्यर्थियों का विवरण

सूची

क्र.सं.	दिव्यांग अभ्यर्थी का नाम	पिता का नाम	विकलांगता का प्रकार अस्थि/ नेत्र रोग/बधिरपन
1	अविनाश मिश्रा	श्री सत्य प्रकाश	अस्थि रोग
2	कलक्टर सिंह	श्री प्रताप सिंह	बधिरपन
3	नीतू गौतम	श्री रमेश चन्द्र गौतम	अस्थि रोग
4	प्रमोद कुमार यादव	श्री सूरज सिंह यादव	नेत्र रोग
5	रवि करन सिंह	श्री गुलजार सिंह	अस्थि रोग
6	राजेश गिरि	श्री फोदा गिरि	अस्थि रोग
7	तिलक सिंह	श्री केदार सिंह	अस्थि रोग
8	उपमा ठाकुर	श्री प्रमोद कुमार ठाकुर	बधिरपन
9	जुगराज	श्री मातादीन	नेत्र रोग
10	पवन कुमार	श्री राजेन्द्र सिंह	बधिरपन
11	रीना	श्री राजेन्द्र कुमार	अस्थि रोग
12	शीला देवी	श्री हरपाल सिंह	अस्थि रोग

प्राचार्य,
जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, आगरा

पत्रांकः- /डायट/विज्ञा0/वि0बी0टी0सी0-07, 08/1589/2019-20
दिनांक 20.08.2019

pnb Housing Finance Limited

पंजीकृत कार्यालयः 9वां तल, अंतरिक्ष भवन, 22, के.जी. मार्ग, नई दिल्ली-110001
फोनः 011-23357171, 23357172, 23705414, वेबसाइटः www.pnbhousing.com
शाखा पताः प्रथम तल, समृद्धि कॉम्प्लैक्स, सुईट नं. 104-105 ब्लॉक नं. 38/ए4, संजय प्लेस, आगरा- 282002
उत्तर प्रदेश, फोन नं: 0562-2521667, ई-मेलः agra@pnbhousing.com वेबसाइटः www.pnbhousing.com

चल सम्पत्तियों की सार्वजनिक/ई-नीलामी-बिक्री सूचना

नियम 6(2) तथा परिशिष्ट-II-ए के प्रावधानों के अनुसार चल सम्पत्तियों की बिक्री हेतु ई-नीलामी-बिक्री सूचना
(वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत)

एतद्द्वारा आम तौर्रे पर्रे यह सूचना दी जाती है कि पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस कंपनी लिमिटेड (''पीएनबीएचएफएल'') , कंपनी अधिनियम 1956 के अधीन तथा नेशनल हाउसिंग बैंक के साथ भी पंजीकृत एक हाउसिंग फाइनेंस कंपनी (एएफसी) और पंजाब नेशनल बैंक द्वारा प्रोत्मत है। बंधकग्राहक को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के बंधक सही सम्पत्ति सं. 35/43/4, लक्ष्मणपुर हरिनंदन मार्ग, आगरा, उत्तर प्रदेश-282002 जमीन क्षेत्रफल माप 137.89 वर्ग मीटर्स और कवर्ड एरिया 82.27 वर्ग मीटर्स और ग्रेड हिस्सा खुला क्षेत्र है (''सह पीएनबी एसएएल में पड़े बिक्री रिजर्वेड के अनुसार है') को हमारे कजर्दार मैसर्स मुस्कान टाइल्स प्रा. लि., श्री संजीव कुमार जैन और श्रीमती मैमका जैन के व्यतिक्रम (डिफाल्ट) के कारण ई-मार्फ्तनिक नीलामी में 18.03.2019 को बेच दिया है। यह विशेष आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित के प्रवर्तन अधिनियम, 2002 साथ में पठितभूति हित (प्रवर्तन) नियमों, 2002 के नियम 6(2) के प्रावधानों के अधीन चल आस्तियों की बिक्री हेतु एवं सार्वजनिक/ई-नीलामी बिक्री सूचना है।

एतद्द्वारा आम तौरों और विशेष रूप से कर्जदार(रों) और गारंटीदाता(ओं) को सूचना दी जाती है कि आगय सामग्र में पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि. में पड़ी चल आस्तियां/परिसू मदें, जिसका भौतिक कब्जा पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि. के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा ले लिया गया है, जो मूल्यांकन रिपोर्टों के आधार पर संगठित और रिजर्वेड रु. 17,500/- (रुपए सत्रह हजार पांच सौ मात्र) के संयोजित आरक्षित मूल्य (आरपी) के लिए 24 सितम्बर, 2019 को अप. 12.30 बजे से अप. 2.30 बजे तक ''जैसा है जहां है'', ''जो है वही है'' और ''जो कुछ भी है वहां है'' पर 24.09.2019 को बेचा जाएगा तथा जिसका विवरण केवल 10 सितम्बर 2019 को अप. 1.00 से अप. 2.00 बजे तक किया जा सकता है। इच्छुक बोलीदाता उक्त अवधि समाप्त होने से पहले या उससे पहले सम्बंधित राशि के साथ अपने बोली आवेदन और रु. 1,750 की जमा धनेतर राशि (ईएमडी) को सौंप सकते हैं। प्राधिकृत अधिकारी के पास बिना कोई कारण बताए, उनमान बोली राशि को स्वीकार या अस्वीकार करने तथा उसमान सफल बोलीदाता को कानून के प्रावधानों के अनुसार निष्कान करने/बेचने के संपूर्ण अधिकार हैं। चल को 'जैसाहै जहांहै' आधार पर बेचा जाएगा।

इसके, ''दि ट्राइब्स ऑफ इंडिया'' और ''हिन्दुस्तान'' में प्रकाशित एक सार्वजनिक सूचना दिनांक 27 फरवरी 2019 के जरिए, परिसू मदों को हटाने के लिए, साल-भुगी दिनांक 25.02.17 के अनुसार प्रतिभूत लेनदार के पास पड़ी परंतु मदों/सामान के संबंध में, (सूचना दिनांक 15.04.2019 के अलावा) कर्जदारों/गारंटीदाता को पहले सूचित कर दिया है; किन्तु कर्जदार/गारंटीदाता/स्वामी सरांमंत प्रयासस को सिंघ तक उन मदों का दावा करने/लेने नहीं आया है।

इच्छुक बोलीदाता उक्त अंकित सूचना पते पर संपर्क तथा बोली आवेदन/प्रपत्र सौंप सकते हैं।प्राधिकृत अधिकारी के पास बिना कोई कारण बताए उनमान बोली को स्वीकार या अस्वीकार करने के पूर्ण अधिकार हैं। बिक्री की विस्तृत नियम व शर्तों या आगामी पुछताछ या समीक्षण हेतु, आप श्री कृष्णा कुमार गुप्ता, मोबाइल नं. 7388494443 से बात या शाखा कार्यालय से सम्पर्क अथवा प्रतिभूत लेनदार की सेवसाइट यानी www.pnbhousing.com में प्रदान किए गए लिंक को देख सकते हैं।

स./- प्राधिकृत अधिकारी
पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

स्थानः आगरा
दिनांकः 20.08.2019

आगरा के आसपी सबसे पहले अगोरा-11 का बजट 18 करोड़ होलर से ज्यादा का था, जबकि चंद्रयान-2 का पूरा बजट 15 करोड़ होलर से कम का है। इसपे को डुआलि पड़ी है कि उसने न सिर्फ अंतरिक्ष अभियान के किफायती समाधान खोजे हैं, बल्कि यह भी साबित किया है कि किफायत का अर्थ गुणवत्ता से समझौता नहीं है। यही एक बात और अभियानों जरूरी है कि चंद्रयान-2 अगोरा-11 को तरह कोई मानव अभियान नहीं है, जिसमें लोगों को ले जाने और वापस लाने का काम सीमित समय में करना जरूरी होता है।

सात सितंबर को जब चंद्रयान-2 चंद्रमा की सतह पर उतरेगा, तब तक इसरो को उसे अपने नियंत्रण के अनुसार चलाने का काम लगातार करना होगा। उसके बाद की तुलौती के अनुसार वहां से डेटा इसरो इसपे का लेना होगा। देखी कामयाबियों के बाद हम अक्सर करते हैं कि इसरो कहीं चूक तो नहीं गया, पर शायद उसे इसके करने की भी जरूरत नहीं है। यह दोहो तो दुनिया पहले ही मान चुकी है। इसरो की विश्वेषता यह है कि उसने जो रिकॉर्ड पहले बनाए थे, उन्हें वह लगातार सुधार रही है। यह उसके काम करने के तरीके में भी दिखता है।

उसने अगोरा-11 को 18 करोड़ होलर के बजट में पूरा किया। इसके लिए उसने अपने पुराने उपग्रहों के हिस्से और तकनीकों का इस्तेमाल किया। इसरो के अध्यक्ष के सिवन ने कहा भी है कि उसने अपने पुराने उपग्रहों के हिस्से और तकनीकों का इस्तेमाल किया। इसरो के अध्यक्ष के सिवन ने कहा भी है कि उसने अपने पुराने उपग्रहों के हिस्से और तकनीकों का इस्तेमाल किया। इसरो के अध्यक्ष के सिवन ने कहा भी है कि उसने अपने पुराने उपग्रहों के हिस्से और तकनीकों का इस्तेमाल किया।

इसरो के अध्यक्ष के सिवन ने कहा भी है कि उसने अपने पुराने उपग्रहों के हिस्से और तकनीकों का इस्तेमाल किया। इसरो के अध्यक्ष के सिवन ने कहा भी है कि उसने अपने पुराने उपग्रहों के हिस्से और तकनीकों का इस्तेमाल किया। इसरो के अध्यक्ष के सिवन ने कहा भी है कि उसने अपने पुराने उपग्रहों के हिस्से और तकनीकों का इस्तेमाल किया।

इसरो के अध्यक्ष के सिवन ने कहा भी है कि उसने अपने पुराने उपग्रहों के हिस्से और तकनीकों का इस्तेमाल किया। इसरो के अध्यक्ष के सिवन ने कहा भी है कि उसने अपने पुराने उपग्रहों के हिस्से और तकनीकों का इस्तेमाल किया। इसरो के अध्यक्ष के सिवन ने कहा भी है कि उसने अपने पुराने उपग्रहों के हिस्से और तकनीकों का इस्तेमाल किया।

इसरो के अध्यक्ष के सिवन ने कहा भी है कि उसने अपने पुराने उपग्रहों के हिस्से और तकनीकों का इस्तेमाल किया। इसरो के अध्यक्ष के सिवन ने कहा भी है कि उसने अपने पुराने उपग्रहों के हिस्से और तकनीकों का इस्तेमाल किया। इसरो के अध्यक्ष के सिवन ने कहा भी है कि उसने अपने पुराने उपग्रहों के हिस्से और तकनीकों का इस्तेमाल किया।

सुदर्शन इंसाल ने वह खुदखाते हाथीनाकार ना लाजवाब थे ही, हाथ ही वह बहुत शौखने और खुशी दखिल नी थे।

उमा शर्मा
प्रसिद्ध कथक गुरु

उनके समीप ये सुनाई देंगे, यदि खुशी के भाव हैं, तो वे छलकते हुए लगते हैं। इतना ही नहीं, वह गाते की लोकेश्वर का भी खाव प्राप्त रखते थे। उनके द्वाप सभीवर्ल्ड किए गए 'वलालिकला वेश्व' के हैं। उनके गाव कही भी गए उन्हें ही। मैं सब कोग छोड़कर सदने लगती हैं, वहिक

उनको इस तरह एकाएक चले जाना मेरे लिए बेहद दुखद रहा। बेशक कोई थक कह सकता है कि खत्याग साहब अपनी पूरी उम्र जीकर गए हैं, लेकिन सब यह है कि इस समाचार ने हम सबको काफी व्यथित कर दिया है। उनके

पर्यावरण संरक्षकों के लिए इसमय खाल अपना नाम नोबल पुरस्कार समिति के सामने रख सकते हैं। नोबल शांति समान के लिए, नोबल शांति पुरस्कार की वजा ती इसमय खाल का ध्यू भी बनना है कि अब अब गए देने की वजाय वह ताक कर रहे हैं कि हाल, ये खब मार देंगे।

इन दिनों कोयल सायां का कोलड़ी शां पीकर है, पाकिस्तानी पैगंबरों की चर्चाओं के सामने। एक एसमदें पूछता है कि पाक के पूर्व सेनाध्यक्ष शांतिप्रिय सांसद सऊदी अरब के लिए काम करते हैं, फिर भी सऊदी वांहे हमारी तरफदारी नहीं करते। बताओ, सऊदी वाहे भारत की एक कंपनी में अरबों का इन्वेस्टमेंट कर रहे हैं। इस पर दूसरा समझदार पंकज करता है- शांहिप्रिय पाकिस्तानी आर्मी के जनरल के तौर पर नहीं है सकती है, वह वहां के चौकीदार टाइप है। कोई भी समझदार आदमी चौकीदार की सलाह पर कोशिशों फेंसले नहीं करता। चौकीदारों की नौकरी इसलिए छूटती है, क्योंकि वे सोचते बहुत हैं, कम अपेक्षित देता, कम सऊदी अरब की सोच।

आलोक पुरोहित

ठाकरे का भाव नहीं सेमाला पाते हैं पाक के इमरान, पर कश्मीर चाहिए से मिलाने के लिए। पाकिस्तान की सेनाध्यक्ष से मिल, फिर सारे दल गेवते हैं मंदाल के विदाफ्त संदेश देने के लिए, फिर कहते हैं सारे नेता उठ खड़े होते हैं, एक-दूसरे को तोर करने के लिए, ताट देते, उड़ा देते, फूंक देते- इस तेवर से पुकारने होती है इसमय खाल के सामने कोई, पर कुछेक मिनट में वह स्वाक पर आ जाते हैं- बचाओ, हमें वह मारे देते की तैयारी कर रहे हैं। इस बार ईंडिया वाले सलाकोट से भी वह कुछ करेंगे।

उनके इस बयान से पता चलता है कि इमरान खान पर पाकिस्तान का दबाव है। बालाकोट की एयर स्ट्राइक के बाद बालाकोट का दावा था कि कुछेक पेड़ टूट गए हैं। अब इमरान उन्हें बताए कि अबकी बार कुछेक पेड़ नहीं, पूरा जंगल साफ हो गया है। इसलिए ये सारे लोग जो पहले पाकिस्तान के खिलाफ बोलते थे, अब उसके पक्ष में बोलने लगे हैं। इसे कहते हैं- मौकापरस्ती की इंतहा।